भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार - 2023

॥भारतात्मा पुरस्कार॥

वेद सेवा को समर्पित

भारतात्मा अशोकजी सिंघल

सर्वविदित है कि श्री अशोकजी सिंघल का सम्पूर्ण जीवन हिन्दू धर्म के उत्थान के लिए समर्पित था। परन्तु बहुत कम लोग जानते हैं कि वे वेदों के ज्ञाता थे और वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए भी उन्होंने बहुत कार्य किये थे।

कानपुर में संघ के प्रचारक के रूप में काम करते हुए अशोकजी ने अपने गुरुदेव से वेद ज्ञान प्राप्त किया। उनकी यह दृढ़ मान्यता थी कि केवल वेदों के संरक्षण और प्रसार द्वारा ही भारतीय संस्कृति जीवित रखी जा सकती है। इसी मान्यता को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से उन्होंने अपने जीवनकाल में तीन विश्व वेद सम्मेलन आयोजित करवाए। सन्-1992 का पहला विश्व वेद सम्मेलन विश्व के सर्वोच्च वेद पण्डितों का अद्भुत संगम था। इससे हिन्दू जीवन और संस्कृति में वेदों का कितना महत्त्व है, यह स्पष्ट हुआ। इनके नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद् ने अनेक वेद विद्यालय प्रारम्भ किये जो आज भी चल रहे हैं।

भारतात्मा अशोकजीसिङ्घल:

अशोकसिंघलमहाभागस्य सकलं जीवनं हिन्दुतायाः अग्रेसारणाय समर्पितमासीदिति सुविदितमेव तथापि तस्य वैदिकज्ञानं तथा वेदानां वैदिकविद्यानां च प्रचाराय तेन कृतं महत्कार्यं तावत् अप्रसिद्धमेवास्ति।

अशोकमहाभागः यदा कर्णपुरे राष्ट्रियस्वयंसेवकसंघस्य प्रचारक: आसीत् तदा वेदशास्त्रयोरद्वितीयाऽवबोधवता तद्गुरुदेवेन वेदज्ञानं लब्धवान्। अशोकमहाभागः दृढं विश्वसिति स्म यत् केवलं वेदानां परिरक्षणप्रचाराभ्यामेव भारतीयसंस्कृति: संरक्षितुं शक्यते। इमामेव विचारसरणिं मूर्तरूपं प्रदातुम् अशोकमहाभागः स्वजीवनकाले त्रीणि विश्ववेदसम्मेलनानि समायोजयत्। १९९२ तमवर्षस्य प्रथमं विश्ववेदसम्मेलनं विश्वस्य श्रेष्ठवेदपण्डितानाम् अद्भुतं मेलनमासीत्। इमानि सम्मेलनानि हिन्दुजीवनसंस्कृत्योः कृते वेदानां योगदानं प्रकाशयितुम् उपकारकाणि आसन्। अस्य महाभागस्य नेतृत्वे नैकाः वेदपाठशालाः विश्वहिन्दुपरिषदा समारभ्यन्त, या अधुनाऽपि प्रचलन्त्य: सन्ति।

Bharatatma Ashokji Singhal

Everyone knows that Shri AshokJi Singhal devoted his entire life to Hindu religion. But a lesser known fact is that he was a Vedic scholar and did a lot to propagate Vedic education.

While working as Sangh Pracharak in Kanpur, Ashokji acquired knowledge of the Vedas from his guru. He believed that Indian culture can only survive through the protection and propagation of Vedas. To make this happen, he organised three World Veda Sammelans in his lifetime. The first World Veda Sammelan organised in 1992 was a unique gathering of world top Vedic scholars. It showcased the importance of Vedas in the lives of Hindus and to the culture of our land. Under his leadership, several Veda schools were started by Vishwa Hindu Parishad and these are still in operation.

उत्कृष्ट वेद विद्यार्थी

यह पुरस्कार उस छात्र को दिया जाएगा जिसने वेदों के अध्ययन में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और ₹ 3,00,000 की नकद राशि प्रदान की जाएगी।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिए आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक है:

- वर्तमान में आप किसी वैदिक परम्परा, योग्य वेद पाठशाला या व्यक्तिगत गुरु के पूर्णकालिक छात्र है।
- वेदों के अध्ययन में मूलान्त से लेकर वर्तमान में आपकी वैदिक योग्यता के स्तर का स्पष्ट और प्रमाण योग्य अभिलेख (रिकॉर्ड) उपलब्ध है।
- आपने "स्तर-1" की न्यूनतम योग्यताएँ प्राप्त कर ली हों (कृपया "आवेदन कैसे करें" की तालिका देखें)।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा उत्कृष्ट विद्यार्थी पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र विद्यार्थियों की श्रेष्ठता का मूल्यांकन निम्न आधार पर किया जाएगा:

- अध्ययन में श्रेष्ठता जो वैदिक शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक उपलब्धियों द्वारा प्रमाणित हुई है।
- वैदिक शिक्षा में निरन्तरता।
- पढ़े गए वेद के पारम्परिक पाठ में प्रवाह।
- शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में रुचि का स्तर।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण।
- स्वशाखा या अन्य वेद ग्रन्थों के अतिरिक्त वेदों का अध्ययन।

जब आप पुरस्कार के लिये आवेदन करें तो यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मानदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

आदर्श वेदाध्यापक

यह पुरस्कार वेदों के उस अध्यापक को दिया जाएगा जिसने वेदों के अध्यापन में समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और ₹ 5,00,000 की नकद राशि प्रदान की जाएगी।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिए आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक है:

- वर्तमान में आप किसी योग्य वेद विद्यालय में अध्यापक हैं या कुमाराध्यापक / एकमात्र अध्यापक हैं और स्वयं का गुरुकुल चला रहे हैं।
- पूर्ण रूप से वेदों के अध्यापन और प्रसार के लिये समर्पित हैं।
- आपने न्यूनतम "स्तर-2" की योग्यताएँ प्राप्त कर ली हों (कृपया "आवेदन कैसे करें" की तालिका देखें)।
- कम से कम 10 साल से पूर्णकालिक वेदों के अध्यापन में हैं।
- आपकी आयु 1 अगस्त, 2023 को 65 वर्ष से अधिक न हो।
- यदि किसी योग्य विद्यालय में पढ़ा रहे हैं तो आपके कम से कम 5 छात्र होने चाहिए; यदि एक अध्यापक के गुरुकुल में या कुमाराध्यापक हैं तो कम से कम 3 छात्र होने चाहिए।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा आदर्श वेदाध्यापक पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र अध्यापकों का मूल्यांकन स्वयं और विद्यार्थी की शिक्षा में श्रेष्ठता के लिए निम्न मापदण्डों के आधार पर होगा:

- स्तर-2 के अतिरिक्त शैक्षिक योग्यताएँ और श्रेष्ठता जैसे स्वशाखा में षडंग, भाष्य, लक्षण की योग्यताएँ और अन्य शाखाओं का अध्ययन या असाधारण वैदिक ज्ञान।
- आपके पूर्व और वर्तमान शिष्यों द्वारा शिक्षा में अर्जित श्रेष्ठता।
- उन छात्रों की श्रेष्ठता जिन्होंने बुनियादी योग्यताओं के बाद भी वैदिक शिक्षा जारी रखी।
- पूर्णकालिक अध्यापन के लिए प्रेरित किये गए छात्रों की संख्या।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण

जब आप पुरस्कार के लिये आवेदन करें तो यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मानदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

उत्तम वेद विद्यालय

यह पुरस्कार उस वेद विद्यालय को दिया जाएगा जिसने वेदों को सिखाने में सर्वाधिक योगदान दिया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और ₹ 7,00,000 की नकद राशि प्रदान की जाएगी।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिये आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक है:

- विद्यालय जिन्हें केन्द्र या राज्य सरकार या धर्मार्थ न्यास या मन्दिर न्यास से निधि प्राप्त हो रही हो या गुरुकुल जिसे निजी रूप से एक अध्यापक द्वारा पोषित किया जा रहा हो।
- श्रुति परम्परा के अनुसार वेदों के अध्यापन के लिए समर्पित है।
- लगातार 20 वर्षों से सक्रिय है।
- यदि विद्यालय को सरकार या ट्रस्ट से अनुदान प्राप्त हो रहा है तो विद्यालय में कम से कम 1 अध्यापक और 5 छात्र होने चाहिए; यदि एक अध्यापक का गुरुकुल या कुमाराध्यापक है तो कम से कम 3 छात्र होने चाहिए।
- विद्यालय ने विगत पाँच वर्षों में भारतात्मा उत्तम वेद विद्यालय पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र विद्यालयों का मूल्यांकन निम्न मापदण्डों के आधार पर होगा:

- विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा अर्जित की गई शैक्षिक श्रेष्ठता
- विद्यालय के अध्यापकों की योग्यताएँ और अनुभव
- प्रदान की गई वैदिक शिक्षा (मूलांत से लक्षण/भाष्य इत्यादि) की गहनता
- विद्यालय द्वारा बनाए गए वेद अध्यापकों की गुणवत्ता और संख्या
- दी गई वैदिक शिक्षा का विस्तार (एक से अधिक वेद) और गहराई (उन्नत या असाधारण वेद शास्त्र)

यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मानदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि: 30.06.2023

उत्कृष्टवेदविद्यार्थी

वेदाध्ययने समुत्कर्षं प्रदर्शितवते वेदविद्यार्थिने दीयमानः पुरस्कारः।

अत्र प्रमाणपत्रं, स्मारिका, पदकं, लक्षत्रयात्मकरूप्यराशिश्च ₹ ३,००,००० भवेत्।

आवेदनयोग्यतांशास्तु अधोनिर्दिष्टप्रकारेण भवन्ति-

- सम्प्रति भवान् वैदिकपरम्परायां योग्यवेदपाठशालायाः व्यक्तिगतगुरोर्वा पूर्णकालिको विद्यार्थी भवेत्।
- वेदाध्ययने मूलान्तादारभ्य भवतः अद्यतनवैदिकयोग्यतायाः स्तरस्य स्पष्टः अन्वेषणयोग्यः च अभिलेखः उपलब्धः भवेत्।
- प्रथमस्तरस्य न्यूनतमयोग्यताः अर्जिताः स्युः। (“कथमावेदनीयम्” इत्यस्य तालिका द्रष्टव्या)
- गतत्रिषु वर्षेषु भवता “भारतात्मा-उत्कृष्ट-वेदविद्यार्थी” पुरस्कारः न विजितः।

अर्हाणां विद्यार्थिनाम् उत्कर्षस्य मूल्याङ्कनम् अधोनिर्दिष्टविषयायत्तम्-

- संहितामारभ्य मूल-पद-क्रमाद्यध्ययनस्तरेषु परीक्षायां प्रमाणपत्रनिरूपिता अत्युत्कृष्टतयोत्तीर्णता।
- अध्ययने अविच्छिन्नता।
- अधीतवेदस्य पारम्परिकपाठकरणे प्रवाहः।
- वेदसम्बद्धविद्यान्तरेषु समासक्तिः।
- ब्रह्मचारिनियमानुगुणं भवदीयं चारित्रम्।
- स्ववेदशाखाध्ययनेन साकम् अन्यवेदशास्त्राणामध्ययनम्।

योग्यतायाः निश्चायकानि सर्वाणि प्रमाणपत्राणि आवेदनपत्रेण सह संयोजनीयानि।

आदर्शवेदाध्यापक

आत्मार्पणबुद्ध्या वेदाध्यापने प्रतिबद्धायादर्शभूताय अध्यापकाय दीयमानोऽयं पुरस्कारः।

अत्र प्रमाणपत्रं, स्मारिका, पदकं पञ्चलक्षरूप्यराशिश्च ₹ ५,००,००० भवेत्।

एतदर्थम् अधस्तनयोग्यताः अपेक्ष्यन्ते-

- सम्प्रति कस्यांश्चित् योग्यायां वेदपाठशालायाम् अध्यापकः अस्ति अथवा कुमाराध्यापकः एकलाध्यापकः वा अस्ति तथा च स्वस्य गुरुकुलं चालयति।
- परिपूर्णतया वेदानामध्यापने प्रचारे च प्रतिबद्धः भवेत्।
- द्वितीयस्तरस्य न्यूनतमयोग्यताः अर्जिताः स्युः। (“कथमावेदनीयम्” इत्यत्र तालिका द्रष्टव्या)
- गतदशवत्सरेभ्यः अविच्छिन्नपूर्णकालिको वेदाध्यापको भवेत्।
- भवतः आयुः '१ अगस्त-२०२२' दिनाङ्के पञ्चषष्टिवर्षात् अधिकं न स्यात्।
- यदि योग्यायां वेदपाठशालायां पाठयति चेत् न्यूनातिन्यूनं पञ्चविद्यार्थिनः भवेयुः तथा च यदि कुमाराध्यापकरूपेण अथवा एकाध्यापकगुरुकुले पाठयति तर्हि न्यूनातिन्यूनं त्रयः छात्राः भवेयुः।
- गतत्रिषु वर्षेषु “भारतात्मा आदर्शवेदाध्यापकपुरस्कारः” विजितः न स्यात्।

अर्हाणाम् अध्यापकानां मूल्याङ्कनं तेषां स्वशिक्षया सह छात्राणां शिक्षायाः उत्कृष्टताम् अधोनिर्दिष्टांशान् च विषयीकरोति-

- द्वितीयस्तरम् अतिरिच्य शैक्षणिकयोग्यताः उत्कृष्टता च, यथा- स्वशाखायां षडङ्गस्य भाष्यस्य लक्षणस्य च योग्यताः तथा च अन्यशाखानामध्ययनम् असाधरणवैदिकज्ञानं वा।
- भवदीयपूर्वतनाद्यतनछात्रैर्वेदाध्ययने अर्जिता उत्कृष्टता।
- मूलस्तरादुपरि वेदाध्ययनं कुर्वतां भवच्छात्राणाम् उत्कृष्टता।
- पूर्णकालिकाध्यापनाय प्रेरितानां छात्राणां संख्या।
- वेदोक्तधर्माचरणपूर्वकं जीवनस्य यापनम्।

सर्वाण्यावश्यकानि योग्यताप्रमाणपत्राणि आवेदनपत्रेण साकं योजनीयानि।

उत्तमवेदविद्यालय

वेदशिक्षणे सर्वातिशयियोगदानं कृतवतः वेदविद्यालयस्य कृते दीयमानोऽयं पुरस्कारः।

अत्र प्रमाणपत्रं, स्मारिका, पदकं, सप्तलक्षरूप्यराशिश्च ७,००,००० भवेत्।

अर्हतायाः कृते अधोनिर्दिष्टांशाः आवश्यकाः भवन्ति-

- केन्द्र / राज्यसर्वकारात्, धार्मिकसंस्थायाः, देवालयसंस्थायाः वा प्राप्तानुदानम् अथवा व्यक्तिगतरूपेण एकाध्यापकेन पोषितं गुरुकुलम्।
- सनातनसाम्प्रदायपद्धत्या श्रुतिबोधनपरं गुरुकुलम्।
- गतविंशतिवत्सरेभ्यः अविछिन्नं प्रचाल्यमानम्।
- यदि विद्यालयः सर्वकारेण कयाचित् संस्थया वा अनुदानं प्राप्नोति चेत् विद्यालये न्यूनातिन्यूनं एकः अध्यापकः पञ्चछात्राश्च भवेयुः, यदि एकलाध्यापकस्य गुरुकुलम् अथवा कुमाराध्यापकः वर्तते चेत् न्यूनातिन्यूनं त्रयः छात्राः अपेक्षिताः।
- विद्यालयेन गतपञ्चवर्षेषु “भारतात्मा-उत्तमवेदविद्यालयपुरस्कारः” न विजितः स्यात्।

पात्रविद्यालयस्य मूल्याङ्कनम् अधस्तनांशान् आधारीकरोति।

- एतत्पाठशालाध्यायिभिः विद्यार्थिभिः अर्जितवेदाध्ययनविषयिणी उत्कृष्टता।
- विद्यालयस्य अध्यापकानां योग्यताः अनुभवश्च।
- प्रदत्तवैदिकशिक्षायाः (मूलान्ताद् लक्षण-भाष्यादिपर्यन्तम्) गहनता।
- विद्यालयेन उत्पादितानां वेदाध्यापकानां गुणवत्ता संख्या च।
- नैकवेदसंहितानां तद्विकृतीनां शास्त्राणाञ्च बोधनम्।

आवश्यकानि सर्वाणि योग्यताप्रत्यायकानि पत्राणि योजनीयानि।

आवेदनपत्रप्राप्तेः अन्तिमतिथिः 30.06.2023

Excellence by a student

This award will be given to a student who has demonstrated excellence in his study of the Vedas.

The award comprises a certificate, medal and a cash sum of ₹ 3,00,000.

To qualify for this award you must meet all of the following:

- Be a full-time student, in the Vedic tradition, of a qualifying Ved pathshala or individual guru at present.
- Have a clear and traceable record of study of the Vedas from moolant to your current levels of Vedic qualification.
- Have passed the following minimum qualifications of Level 1 (see table).
- Have not won the Bharatatma Excellent Student Award in the last three years.

Qualifying students will be evaluated for excellence in Vedic study on the following basis:

- Excellence in study as evidenced by the academic achievements at various levels of Vedic education.
- Continuity in Vedic education.
- Fluency in the traditional recitation of the studied Ved.
- The level of interest in other areas of education.
- Conduct of life as per traditional Vedic practices.
- Study of Vedas other than Swashakha or other Vedic texts.

When applying for the award, please make sure that you provide all the documentary evidence needed to establish that you meet the qualifying criteria.

The ideal Ved teacher

This award is given to a teacher of the Vedas who has demonstrated dedication and commitment to the teaching of the Vedas.

The award comprises a certificate, medal and a cash sum of ₹ 5,00,000.

To qualify for this award you must meet all of the following:

- Currently be a teacher in a qualifying Ved school or be a kumaradhyapaka / single teacher and maintain your own gurukula.
- Be dedicated solely to the teaching and propagation of the Vedas.
- Have passed the minimum qualifications of Level 2 (see table).
- Have been in continuous and full-time teaching of the Vedas for at least ten years.
- Your age should not be more than 65 years as on 1 August 2022.
- If teaching in a qualifying school, must have at least five students; if in a single teacher gurukula / kumaradhyapaka, must have at least three students.
- Not have won the Bharatatma Ideal Teacher Award in the in the last three years.

Qualifying teachers will be evaluated on the excellence of their own education and of their students on following basis:

- Academic qualifications and excellence beyond Level 2, such as qualifications in Shadanga, Bhashya, Lakshana etc. in Swashakha, or study other shakhas or rare Vedic knowledge.
- Academic excellence achieved by your past and present students.
- Excellence of students that have continued Vedic study beyond basic qualifications.
- Number of students motivated to take up full-time teaching.
- Conduct of your life as per Vedic practices.

When applying for the award, please make sure that you provide all the documentary evidence needed to establish that you meet the qualifying criteria.

The best Ved school

This award is given to a school of the Vedas that has contributed most for learning of the Vedas.

The award comprises a certificate, and a cash sum of ? 7,00,000.

To qualify for this award a school must fulfil all of the following criteria:

- Schools funded by central or state governments or charitable trusts or temple trusts or gurukulas personally funded by a single teacher.
- Be dedicated to the teaching of the Vedas in the shruti tradition.
- Are and have been in continuous operation for a period of at least 20 years.
- If a school is funded by the government or trusts, must have at least one teacher and five students; if it is a single teacher gurukula / kumaradhyapak, must have at least three students.
- Not have won the Bharatatma Best Ved School Award in the last five years.

Qualifying schools will be evaluated on the following basis:

- Academic excellence achieved by students of the school.
- Qualifications and experience of Ved teachers in the school.
- Depth of Vedic education (moolant to lakshan / bhashya etc.) imparted.
- Number and quality of teachers produced by the school.
- Width (more than one Ved) and depth (advanced or rare Vedic texts) of study imparted.

When applying for the award, please make sure that you provide all the documentary evidence needed to establish that you meet the qualifying criteria.

Last date for receipt of applications: 30.06.2023

आवेदन कैसे करें

आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 जून 2023 है। आवेदन 30 जून से पहले सिंघल फाउण्डेशन के कार्यालय में पहुँच जाने चाहिए। इस तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर 2023 के पुरस्कारों के लिये विचार नहीं किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी के लिये आवेदन आप हमारी वेबसाइट http://bharatatmapuraskar.org से कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि योग्यता मापदण्डों को पूरा करने के लिए आपने अपने दस्तावेज / प्रमाणपत्र / अंकतालिकाएँ साक्ष्य के तौर पर संलग्न कर दिए हैं।आप आवेदन हस्तलिखित या माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का प्रयोग कर भर सकते हैं. यदि आप आवेदन ईमेल के द्वारा भेज रहे हैं तो सिर्फ .pdf में ही भेजें ना कि .doc या .docx पूर्णतः भरा हुआ आवेदन पत्र डाक या कूरियर द्वारा सिंघल फाउण्डेशन, द्वारा सिक्योर मीटर्स लिमिटेड, प्रतापनगर इण्डस्ट्रियल एरिया, उदयपुर-313003 को भेजें।याआप सभी दस्तावेजों को स्कैन करके पी.डी.एफ़ (pdf) फॉरमेट में ईमेल करें: applications@bharatatmapuraskar.org या व्हाट्सएप्प द्वारा +91 73576 58777 पर भेजें।

कथमावेदनीयम्

आवेदनपत्रप्राप्तेः अन्तिमतिथिः - 30/06/2023 वर्तते। आवेदनपत्रं जूनमासस्य त्रिंशत् - दिनांकपूर्वं सिंघलप्रतिष्ठानस्य पार्श्वे प्राप्नुयात्। अस्याः तिथेः पश्चात् प्राप्तावेदनपत्रोपरि त्रिविंशत्योत्तरद्विसहस्रतमवर्षस्य पुरस्काराणां कृते विचारः न भविता। प्रत्येकस्याः श्रेण्याः कृते आवेदनानि अस्माकम् http://bharatatmapuraskar.org अन्तर्जालस्थानतः कर्तुं शक्यन्ते। इदं सुनिश्चितं कुर्याद् यद् योग्यतामानदण्डानां पूर्तये भवद्भिः स्वाङ्कतालिका-प्रमाणपत्र-प्रलेखादीनि साक्ष्यरूपेण संलग्नीकृतानि।भवद्भिः आवेदनपत्रं हस्तलेखेन अथवा "माइक्रोसॉफ्टवर्ड" इत्स्य प्रयोगेण पूरयितुं शक्यते । यदि भवन्तः आवेदनपत्रम् ईमेलमाध्यमेन प्रेषयन्ति चेत् केवलं .pdf-रूपेणेव प्रेषयन्तु, न तु .doc,.docxपूर्णरूपेण पूरितम् आवेदनपत्रं डाकमाध्यमेन "सिंघल फाउण्डेशन द्वारा सिक्योर मीटर्स लिमिटेड, प्रतापनगर इण्डस्ट्रियल एरिया, उदयपुरम् ३१३००३" इति पत्रसंकेतोपरि प्रेषयन्तु अथवा भवन्तः आवेदनपत्रसहितसमस्तप्रलेखान् स्केनकृत्वा PDF प्रारूपमध्ये ईमेल कुर्वन्तु-applications@bharatatmapuraskar.org अथवा व्हाट्सएप्प कुर्वन्तु - +91 73576 58777

How to apply

The last date for receipt of applications at the offices of Singhal Foundation is 30th Jun 2023. Applications received after this date will not be considered for the 2023 award. You can apply for each of the three categories through our website http://bharatatma puraskar.org. Please make sure that you provide all the documentary evidence / certificates / mark sheets etc. needed to establish that you meet the qualifying criteria.You may fill the application form either by hand or using MS Word. If you are submitting your application electronically, please only submit .pdf files and not .doc or .docx. Completed application forms should be sent by post or courier to:Singhal Foundation, c/o Secure Meters Ltd, Pratapnagar Industrial Area, Udaipur 313003 You can also scan all the documents (.pdf files) and send via email to: applications@bharatatmapuraskar.org or WhatsApp on +91 73576 58777.

चयन प्रक्रिया

प्रत्येक श्रेणी का विजेता चुनने के लिए एक उच्च गुणवत्ता वाली निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाई जाती है। विजेताओं का चयन दो चरणों की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है। पहले चरण में वैदिक विशेषज्ञों की एक कमेटी प्राप्त आवेदनों (जिसमें आवेदकों के नाम अज्ञात होते हैं) की गहन समीक्षा कर सम्भावित विजेताओं की एक सूची बनाती है। यह छंटनी आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र के साथ भेजी गई जानकारी के आधार पर की जाती है। इसके पश्चात् वेदों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की निर्णायक समिति जूरी इस सूची पर विचार करती है। विजेताओं पर अपना अन्तिम निर्णय लेने से पूर्व जूरी चयनित विद्यालयों का दौरा तथा चयनित वेदाध्यापकों और विद्यार्थियों से साक्षात्कार करती है।

चयनप्रक्रिया

प्रत्येकं श्रेण्याः विजेतारं चेतुमेका उत्कर्षशालिनी निष्पक्षप्रक्रिया आचर्यते। विजेतॄणां चयनं चरणद्वयात्मिकया प्रक्रियया भवति। प्रथमचरणे वेदज्ञानां समितिरेका प्राप्तावेदनपत्राणि (यस्मिन् आवेदकानां नामानि अज्ञातानि भवन्ति) समीक्ष्य सम्भावितविजेतॄणां एकां सूचीं निर्माति। एतच्छोधनप्रक्रिया आवेदकैः आवेदनपत्रेषु प्रदत्तसूचनायाः आश्रिता भवति। एतदनु वेदानां प्रतिष्ठितविशेषज्ञानां निर्णायकसमितिः (जूरी) एतां सूचीं विचारयति। निर्णायकसमितिः विजेतॄणाम् अन्तिमनिर्णयात्पूर्वं चितानां विद्यालयानां भ्रमणं तथा च चिताध्यापकछात्राणां साक्षात्कारं विदधाति।

The selection process

A high-quality, impartial process, is run for selecting the winners in each category. The decision of the winners is made through a two stage process. At the first stage, a committee of Vedic experts review all applications received (these have been anonymised) to produce a short-list of possible winners. This is based on the information provided by the applicants on the application forms. The short-list of candidates is then considered by a Jury comprising eminent experts in the Vedas. The Jury also visit the short-listed schools and meet the short-listed teachers and candidates before finally deciding the winners.

अनुशंसा

सिंघल फाउण्डेशन को विदित है कि कई वेद गुरु वेदाध्यापन को अपना धर्म समझ वेद के प्रति समर्पित हैं व वे किसी पुरस्कार इत्यादि के लिए अपना आवेदन नहीं देना चाहते। हम ऐसे पूर्णरूपेण समर्पित अध्यापकों को भी भारतात्मा पुरस्कार की प्रक्रिया से जोड़ना चाहते हैं। भारतात्मा पुरस्कार की सप्तम शृंखला (2023) में आदर्श वेदाध्यापक श्रेणी हेतु योग्य नामों की अनुशंसा करने का भी प्रावधान किया गया है। वेदाध्यापक श्रेणी हेतु निर्धारित मानदण्डों एवं निजी ज्ञान के आधार पर कोई भी वैदिक विद्वान अथवा विद्यार्थी अपने गुरुजी का नाम व सम्पर्क जानकारी सिंघल फाउण्डेशन को ईमेल या SMS पर 15 मई से 15 जून 2023 तक भेज सकते हैं। हम अनुशंसित गुरुजी से सम्पर्क कर उनका आवेदन प्राप्त करने का प्रयत्न करेंगे।

अनुशंसा

सिंघलप्रतिष्ठानेन ज्ञायते यद् बहवः वेदाध्यापकाः वेदाध्यापनं स्वधर्मम् इति मत्वा वेदसेवायां समर्पिताः किन्तु तैः पुरस्कारार्थम् आवेदनं न क्रियते। वयं एतादृशः पूर्णरूपेण वेदाध्यापने समर्पितानाचार्यानपि भारतात्मापुरस्कारचयनप्रक्रियया योक्तुमिच्छामः। भारतात्मापुरस्कारस्य सप्तशृंखलायां (2023 तमवर्षस्य) आदर्शवेदाध्यापकश्रेण्यां योग्यनाम्नाम् अनुशंसायाः प्रावधानमपि विहितमस्ति। यः कोऽपि वैदिकविद्वान् वा विद्यार्थी पुरस्कारार्थं वेदाध्यापकश्रेण्यां निर्धारितदण्डानां पूरयितुः स्वगुरोः वैदिकविदुषः वा नाम-संपर्कसंकेतादिकञ्च सिंघलप्रतिष्ठानस्य पार्श्वे ई-मेल वा SMS माध्यमेन 15 मईतः 15 जून 2023 पर्यन्तं प्रेषयितुं शक्नोति। वयम् अनुशंसिताचार्येण सह संपर्कं विधाय आवेदनं प्राप्तुं यतिष्यामहे।

Recommendation

The Singhal Foundation is aware that many Ved teachers are devoted to the Vedas to understand Ved teaching as their religion, and do not want to apply for any award. We also want to connect such full-time dedicated teachers to the process of the Bharatatma award. It is proposed that we allow students to recommend their gurus in the ideal Ved teacher category. In this seventh Bharatatma award, we have made provision for this. Any Vedic scholar or student can send his Ved teacher's name and contact information to Singhal Foundation based on the norms and personal knowledge for the Ved teacher's category, from 15th May to 15th Jun 2023 on email or SMS. We will contact the recommended Ved teacher and try to get their application.

*वेदाध्ययन समकक्षता सूची

अध्ययन स्तर	ऋग्वेद	कृष्ण यजुर्वेद	शुक्ल यजुर्वेद	सामवेद	अथर्ववेद
स्तर - 1	क्रमपाठ	क्रमपाठ	क्रमपाठ	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगान से महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमन्त्र ब्राह्मण	सम्पूर्ण अथर्ववेद संहिता, गोपथ ब्राह्मण, मुण्ड-माण्डुक्य उपनिषद, माण्डुकीशिक्षा कौशिक गृह्यसूत्र, वैखानस श्रौतसूत्र
स्तर - 2	घनपाठ	घनपाठ	घनपाठ (बृहदारण्यक के साथ)	सामवेद संहिता के पूर्वार्चिक और उत्तरार्चिक का सम्पूर्ण पादपाठ, ऊहगान, रहस्यगान और सम्पूर्ण छान्दोग्योपनिषद्	उपर्युक्त और अथर्वज्योतिष, कौश्यनिघण्टु, अष्टाध्यायी, संहिता पञ्चलक्षण भाष्य

सिंघल फाउण्डेशन

सिंघल फाउण्डेशन स्व. श्री पी.पी. सिंघल की स्मृति में उनके तीनों पुत्रों द्वारा स्थापित एक पंजीकृत न्यास है। स्व. श्री सिंघल द्वारा अपने जीवनकाल में शुरू किए गए परोपकारी कार्यों को जारी रखने के उद्देश्य से इस न्यास की स्थापना सन्-1980 में की गई। श्री अशोकजी सिंघल श्री पी.पी. सिंघल के छोटे भाई थे और उन्हीं की प्रेरणा से सिंघल परिवार वेद सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतात्मा पुरस्कार के माध्यम से हम वेद सेवा के प्रति हमारी वचनबद्धता दोहराना चाहते हैं। सिंघल फाउण्डेशन द्वारा स्थापित भारतात्मा अशोकजी सिंघल पुरस्कार वैदिक शिक्षा के क्षेत्र में पहले राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार हैं। इन पुरस्कारों का दोहरा उद्देश्य हैं, पहला वैदिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना और दूसरा वेद सेवा के लिए अपना समस्त जीवन समर्पित करने वाले श्री अशोकजी सिंघल की स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखना।

फाउण्डेशन वार्षिक रूप से उत्तम वेद विद्यालय, आदर्श वेद अध्यापक और उत्कृष्ट विद्यार्थी श्रेणियों में ये पुरस्कार प्रदान करता है।

सिङ्घलप्रतिष्ठानम्

सिङ्घलप्रतिष्ठानं स्वर्गतस्य पि.पि.सिङ्घलमहाभागस्य स्मृतौ तस्य त्रिभिः पुत्रैः स्थापितः एकः पञ्जीकृतन्यासः वर्तते। स्वर्गतैः पि.पि.सिङ्घलमहाभागैः स्वजीवनकाले समारब्धानां धार्मिककार्याणाम् अनुवर्तनाय सिङ्घलप्रतिष्ठानं १९८० तमे वर्षे प्रत्यष्ठाप्यत।

अशोकसिङ्घलमहाभागः पि.पि.सिङ्घलमहोदयस्य अनुजः आसीत्। तस्य महाभागस्य प्रेरणया सिङ्घलकुटुम्बः वेदसेवायां प्रतिबद्धः वर्तते। भारतात्मा-पुरस्कारमाध्यमेन वयं वेदसेवाविषयिणीम् अस्मत्प्रतिनिबद्धताम् अनुवर्तयितुमिच्छामः। सिङ्घलप्रतिष्ठानेन स्थापिताः "भारतात्मा-अशोकजीसिङ्घल-वैदिकपुरस्काराः" वैदिकशिक्षाक्षेत्रे ऐदंप्राथम्येन दीयमानाः राष्ट्रस्तरीयाः पुरस्काराः सन्ति। एतेषां पुरस्काराणां प्रयोजनद्वयमस्ति- वैदिकशिक्षायाः प्रोत्साहनं वेदसेवायां समर्पितस्य अशोकसिङ्घलमहाभागस्य नाम्नः शाश्वतीकरणञ्च।

प्रतिष्ठानं प्रतिवर्षम् उत्तमवेदविद्यालय-आदर्शवेदाध्यापक-उत्कृष्टवेदविद्यार्थिश्रेणिषु इमान् पुरस्कारान् वितरति। वयमाशास्महे यदिमे पुरस्काराः वेदशिक्षामनुसर्तुम् अस्याः प्रचारप्रसारार्थञ्च प्रोत्साहयिष्यन्तीति।

Singhal Foundation

Singhal Foundation is a registered trust, founded in the memory of Late Shri P.P. Singhal by his three sons. This trust was founded in 1980 to continue the charitable works initiated by Late Shri Singhal during his lifetime.

Shri Ashokji Singhal was the younger brother of Shri P.P. Singhal. The family, taking inspiration from him, has committed to the services of Vedas. Bharatatma Puraskar are the first national level awards in the field of Vedic education. The purpose of these awards is to encourage Vedic education and to perpetuate the memory of Shri Ashokji Singhal who dedicated his life to the service of Vedas. Through these awards, the Singhal family wants to reiterate its commitment to the service of the Vedas.

The Foundation gives awards every year under three categories: Best Vedic School, Ideal Vedic Teacher and Excellent Veda Student.

Singhal Foundation

c/o Secure Meters Ltd, Pratapnagar Industrial Area, Udaipur 313003 | T: +91 73576 58777 | E: info@singhalfoundation-udaipur.org

www.bharatatmapuraskar.org